अभ्यास : प्रश्न तथा उनके उत्तर

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

(i) उर्दू एक ..... भाषा है । (मिश्रित/एकल/मधुर)

(ii) उर्दू की उत्पत्ति ..... शताब्दी में हुयी । (ग्यारहवीं/चौदहवीं/बारहवीं)

(iii) उर्दू का शाब्दिक अर्थ है ..... । (घर/महल/शिविर/खेमा)

(iv) इरानी लोग सिंधु को ..... कहते थे । (हिन्द/हिन्दू/हिन्दी)

(v) तुलसीदास ने ..... की रचना की । (महाभारत/मेघदूतम्/रामचरितमानस)

(vi) पहाड़ी चित्रकला ..... क्षेत्र में विकसित हुयी । (मध्य भारत/उत्तर पश्चिम हिमालय/राजस्थान)

उत्तर–(i) मिश्रित, (ii) ग्यारहवीं, (iii) शिविर, (iv) हिन्दू, (v) रामचरितमानस, (vi) उत्तर-पश्चिम हिमालय ।

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :

प्रश्न (a) उर्दू का विकास कैसे हुआ ?

उत्तर–उर्दू का विकास एक अपभ्रंश भाषा के रूप में हुआ। इसमें अनेक भाषाओं के शब्द मिले हैं, जैसे : अरबी, फारसी तथा तुर्की । इसी कारण उर्दू को एक मिश्रित भाषा कहते हैं । इसकी लिपि फारसी है, लेकिन व्याकरण हिन्दी-अंग्रेजी जैसा ही है ।

प्रश्न (b) लौकिक साहित्य के बारे में पाँच पंक्तियों में बताइए ।

उत्तर–लौकिक साहित्य में 'ढोला-मारुहा' नामक काव्य लिखा गया । इसमें ढोला नामक राजकुमार और मारवाणी नामक राजकुमारी की प्रणय लीला का वर्णन है । इस काव्य में महिलाओं के कोमल भावों का मार्मिक वर्णन किया गया है । इसी काल के लौकिक साहित्य के रचनाकारों में अमीर खुसरो भी हैं । अमीर खुसरो ने पहेलियों से हिन्दी के भंडार को भरा ।

प्रश्न (c) 'रहीम कौन थे ? उनके द्वारा रचित किसी एक दोहा को लिखें ।

उत्तर–रहिम का पूरा नाम अब्दुर्रहीम खानखाना था । ये अकबर के दरबार के नवरत्नों में एक थे । इनकी अधिक पहचान कृष्ण भक्त कवि के रूप में है । इन्होंने हिन्दी में अनेक कविताओं की रचना की । इनकी एक प्रसिद्ध रचना का अंश निम्नलिखित है :

रहिमन विपदा तू भली, जो थोड़े दिन होई ।
हित अनहित या जगत में जान पड़े सब कोई ।।

प्रश्न (d) 'हम्जानामा' क्या है ?

उत्तर–हम्जानामा' मुगलकाल का बना चित्रों का एक अलबम है । मुगलों ने चित्रकला की जिस शैली की नींव डाली वह मुगल चित्रकला के नाम से प्रसिद्ध हुई । 'हम्जानामा' मुगल शैली की एक अद्भुत कृति है । यह ऐसी पाण्डुलिपि है, जिसमें 1200 चित्र हैं । सभी चित्र स्थूल और चटकीले रंगों में कपड़े पर बने हुए हैं ।

प्रश्न (e) पहाड़ी चित्रकला में किन-किन विषयों पर चित्र बनाये जाते थे ?

उत्तर–पहाड़ी चित्रकला में विशेष रूप से सामाजिक विषय चुने गये । चित्र सामाजिक विषयों पर ही बने । बच्चियों को गेंद खेलते, संगीत के साज बजाते, पक्षियों या पशुओं के साथ मनोरंजन करते हुए चित्र बनाये जाते थे । राजा-महाराजाओं का अकेले या दरबारियों के साथ बैठे हुए चित्र बनाये जाते थे । प्राकृतिक दृश्य

के चित्र भी बने । पत्तों और फलों से लदे वृक्षों के चित्र सराहनीय हैं । पहाड़ी चित्रकला में इन्हीं विषयों पर चित्र बनाये जाते थे ।

प्रश्न (f) गजल और कव्वाली में अंतर बताएँ ।

उत्तर–सल्तनत काल में दो प्रकार की गायन शैली का विकास हुआ–पहला था गजल और दूसरा कव्वाली । गजल को अरबी भाषा में स्त्रीलिंग माना जाता है, जबकि हिन्दी में इसे पुंल्लिग मानते हैं । गजल का शाब्दिक अर्थ है अपने प्रेम पात्र से वार्ता । एक गजल में कम-से-कम पाँच और अधिक-से-अधिक ग्यारह शेर होते थे । इसके संग्रह को दीवान कहा जाता है । गजलें चूँकि शृंगार रस में लिखी होती थीं, जिस कारण इसका गायन संगीत प्रेमियों को अच्छा लगता था । सूफियों को भी गजल प्रिय रहा ।

कव्वाली का चलन विशेषत: सूफी गायकों में था । 'कौल' का अर्थ है कथन । इसको गाने वाला कव्वाल कहलाता था । यही शैली कौव्वाली कहलायी । कौव्वाली गाते हुए गायक भक्तिमय हो जाता था । उसके समक्ष लगता था कि अल्ला सामने आ गया हो । गाते-गाते वे झूमने और नाचने लगते थे ।